राष्ट्रीय संस्करण

# दैनिक जागरण

वर्ष 2 अंक 341

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, रविवार, 19 मई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सोशल मीडिया पर कोहली के फालोअर्स की संख्या 10 करोड़ के पार

>> 10

## नतीजों का इंतजार, गुफा में मोदी का ध्यान

जागरण संवाददाता, केदारनाथ

सातवें एवं अंतिम चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले केदारनाथ धाम पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह से आध्यात्मिक रंग में रंगे नजर आए। इस दौरान उन्होंने गर्भगृह में रुद्राभिषेक किया। मंदिर की परिक्रमा के बाद अपने ड्रीम प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। करीब एक घंटे तक निर्माणाधीन शंकराचार्य समाधि स्थल, सरस्वती घाट और सुरक्षा दीवार का जायजा लिया। करीब दो बजे वह साधना के लिए ध्यान गुफा में चले गए। रात को वहीं विश्राम करेंगे।

मोदी का हेलीकाप्टर शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे केदारनाथ धाम पहुंचा। मोदी हेलीपैड से पैदल ही मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। पुनर्निर्माण कार्यों के निरीक्षण के बाद मोदी ने अति विशिष्ट अतिथि गृह में कुछ देर विश्राम किया। दोपहर 1:40 बजे वह एक किमी पैदल चलकर ध्यान गुफा पहुंचे, जो केदारनाथ मंदिर को चौराबाड़ी ग्लेशियर से जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित है। पांच मीटर लंबी और तीन मीटर चौड़ी गुफा में साधना कर रहे मोदी सिर्फ फलाहार और दूध लेंगे। सायं साढ़े सात बजे उन्हें बाबा केदार की सायंकालीन आरती में शामिल होना था, पर खराब मौसम के कारण वे नहीं आए।

(विशेष आयोजन पेज-6 पर)

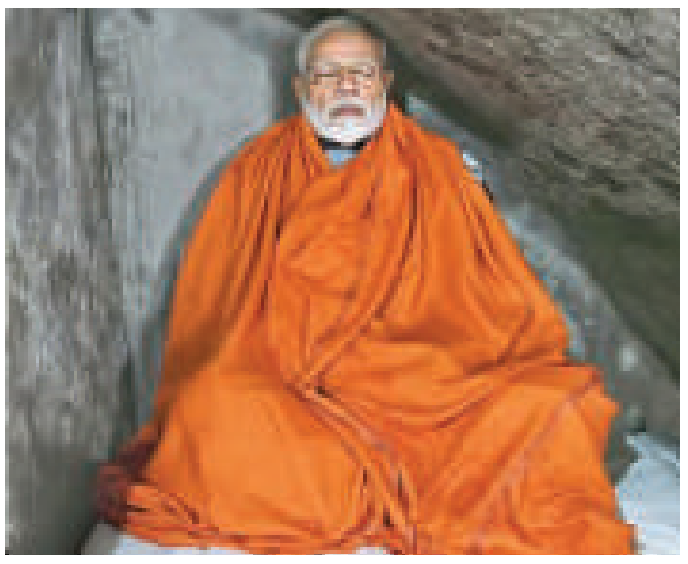

विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के पास स्थित ध्यान गुफा में साधना में लीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

## दैनिक जागरण को अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार सफलता

जेएनएन, न्यूयार्क

**अंतरराष्ट्रीय न्यूज मीडिया एसोसिएशन (आइएनएमए) के 11 पुरस्कारों के साथ चुना गया 'दक्षिण एशिया का सर्वश्रेष्ठ अखबार'**

दैनिक जागरण को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार सफलता मिली है। देशभर के पाठकों के प्यार और स्नेह का ही नतीजा है कि लगातार तीसरे वर्ष अंतरराष्ट्रीय न्यूज मीडिया एसोसिएशन (आइएनएमए) ने दैनिक जागरण को 'दक्षिण एशिया का सर्वश्रेष्ठ अखबार' चुना है। देश भर में सात करोड़ से अधिक पाठक संख्या वाले भारत के नंबर एक अखबार दैनिक जागरण को, अंतरराष्ट्रीय न्यूज मीडिया एसोसिएशन ने उसके अभियानों के लिए इस साल 11 पुरस्कारों से सम्मानित किया है। जिसमें दो प्रथम पुरस्कार, दो द्वितीय पुरस्कार, तीन तृतीय पुरस्कार और तीन विशेष उल्लेख शामिल हैं।

इस बार के पुरस्कारों में संपादकीय एवं वीडियो कैंपेन 'बेटियों की डायरी' और कानपुर में प्रदूषण के खिलाफ अभियान 'जागो कानपुर' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 'यूथ पार्लियामेंट' और 'कैसिनो ग्रांडे' को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हरियाणा में प्रदूषण के खिलाफ व्यापक स्तर पर चलाए गए अभियान 'पराली नहीं जलाएंगे', वाराणसी में हुए 'काशी आनंद' और 'यूथ पार्लियामेंट' को तृतीय पुरस्कार के लिए चुना गया। इसके अलावा जागरण के तीन अन्य अभियान 'अमेजन आपके द्वार', 'संस्कारशाला' और 'बेटियों की डायरी' को विशेष उल्लेख प्राप्त हुआ। इन सब में सबसे खास पुरस्कार रहा 'बेस्ट इन साउथ एशिया अवार्ड' जो 'बेटियों की डायरी' संपादकीय अभियान को दिया गया। इन अभियानों के अलावा जागरण समूह को प्रिंट और डिजिटल में पठनीयता को बढ़ावा देने की श्रेणी में प्रथम स्थान पर चुना गया। डिजिटल माध्यम में दैनिक जागरण की उपस्थिति जागरण डॉट कॉम के रूप में मौजूद है। गौरतलब है कि आइएनएमए में 11 अवार्ड जीतने के बाद दैनिक जागरण पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा पुरस्कार जीतने वाला समाचारपत्र बन गया है।

समाचारपत्रों को दिए जाने वाले पुरस्कारों की सभी श्रेणियों में दैनिक जागरण ने दुनिया के किसी भी देश के समाचारपत्र से अधिक पुरस्कार जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय न्यूज मीडिया एसोसिएशन के इन पुरस्कारों के लिए दुनिया के 34 देशों की 165 मीडिया कंपनियों ने कुल 664 एंट्रीज भेजी थीं जिन्हें 15 देशों के 46 ज्यूरी सदस्यों द्वारा परखा गया। अंतरराष्ट्रीय न्यूज मीडिया एसोसिएशन वर्ष 1935 से मीडिया इंडस्ट्री में बेहतरीन काम को सम्मानित करने का उपक्रम कर रही है।

आइएनएमए प्रेसिडेंट एडुआर्डो ग्रेसेस से न्यूयार्क में दक्षिण एशिया का सर्वश्रेष्ठ अखबार का पुरस्कार ग्रहण करते दैनिक जागरण के ब्रांड एंड स्ट्रैटजी विभाग के चीफ जनरल मैनेजर विनोद श्रीवास्तव।

## महासमर 2019


- इन दिग्गजों के चुनावी नतीजों का बेसब्री से किया जा रहा इंतजार ● पेज 4
- मतदान से पूर्व बंगाल में फिर हिंसा, तृणमूल व भाजपा समर्थक भिड़े ● पेज 5
- ममता के भतीजे अभिषेक ने प्रधानमंत्री मोदी को भेजा नोटिस ● पेज 5
- हरियाणा में नतीजों से पहले ही सामने आने लगीं भितरघात की कहानियां ● पेज 5


## विश्वास News

मोदी को वोट की अपील वाली ट्रंप की तस्वीर फर्जी

विश्वास न्यूज की पड़ताल ● पेज 5

## न्यूज गैलरी


**राज-नीति** ▶ पृष्ठ 3

**सरकार ने खारिज की वाइस एडमिरल बिमल वर्मा की अपील**

नई दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को वाइस एडमिरल बिमल वर्मा की अपील खारिज कर दी। वर्मा ने उनकी अनदेखी कर जूनियर अधिकारी को नौसेना प्रमुख बनाने के फैसले पर सवाल उठाया था। रक्षा मंत्रालय के समक्ष यह याचिका 10 अप्रैल को दायर की गई थी। इस मामले में 20 मई को सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में सुनवाई होगी।

**नेशनल न्यूज** ▶ पृष्ठ 10

**देश में पहली बार प्रयोग होगी वनाधिकार की एक धारा**

रायपुर : छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की घर वापसी वनाधिकार कानून की विशेष धारा से संभव होने जा रही है। इस धारा का देश में संभवतः पहली बार प्रयोग किया जाएगा। तेलंगाना व आंध्र में विस्थापित हुए आदिवासियों को उनके मूल गांवों से इतर जमीन दिलाने के लिए वनाधिकार कानून की धारा 2 (ई) (एम) का प्रयोग किया जाएगा।

**बिजनेस** ▶ पृष्ठ 11

**दबावग्रस्त एयरलाइन उद्योग को नई सरकार का इंतजार**

नई दिल्ली : केंद्र में जो भी नई सरकार बनेगी उसके समक्ष डगमगाते विमानन क्षेत्र को पटरी पर लाने की चुनौती होगी। पिछले दस-बारह माह से विमानन क्षेत्र असामान्य हालात से जूझ रहा है। कई एयरलाइनों की हालत बिगड़ने के साथ जेट एयरवेज का भट्ठा बैठ गया। अब तो इंडिगो में प्रमोटरों में विवाद की खबरें आ रही हैं।


## क्लीन चिट पर चुनाव आयोग में रार

**विरोध** ▶ चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने आचार संहिता पर बैठकों से किया किनारा

### सीईसी को लिखा पत्र, कहा- आपत्ति रिकॉर्ड न हो तो बैठक में आना बेकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में क्लीन चिट देने के मामले में चुनाव आयोग में असहमति से शुरू हुआ विवाद गहरा गया है। चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने अल्पमत के फैसले को रिकॉर्ड नहीं किए जाने के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुनील अरोड़ा को पत्र लिखकर आचार संहिता से संबंधित बैठकों में शामिल होने से मना कर दिया है। इस पत्र पर बवाल मचने के बाद शनिवार को सीईसी सामने आए। उन्होंने विवाद को गैरजरूरी बताते हुए कहा,ऐसे वक्त में जवाब देने से बेहतर खामोशी है।

असल में विवाद तब शुरू हुआ जब अशोक लवासा ने दावा किया कि मोदी और शाह के विवादित बयानों के 11 मामलों में क्लीन चिट दिए जाने पर उनके असहमति के फैसले को रिकॉर्ड नहीं किया गया। लवासा ने सीईसी सुनील अरोड़ा को चार मई को लिखे पत्र में कहा था, 'जब मेरे अल्पमत को रिकॉर्ड नहीं किया गया तो आयोग में हुए विचार-विमर्श में उनकी भागीदारी का कोई मतलब नहीं है। इसलिए वह दूसरे उपायों (कानूनी) पर विचार कर सकते हैं।' उन्होंने दावा किया कि आयोग की बैठकों से दूर रहने के लिए उन पर दबाव बनाया गया क्योंकि उनके नोट्स में असहमति रिकॉर्ड करने को पारदर्शिता के लिए जरूरी बताने पर कोई जवाब नहीं दिया गया। लवासा ने 10, 14 मई और 16 मई को भी पत्र लिखे, जिनमें कहा गया कि उनके अल्पमत के फैसले को दर्ज नहीं किया जाना इस बहुसदस्यीय वैधानिक निकाय के स्थापित तौर तरीकों से उलट है। उनकी मांग के अनुरूप व्यवस्था नहीं बनने तक वह बैठक में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद सीईसी सुनील अरोड़ा न लवासा के साथ बैठक भी बुलाई थी। लवासा की मांग है कि आयुक्तों के बीच मतभेद को भी आधिकारिक रिकॉर्ड पर शामिल किया जाए। बता दें कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में सीईसी सुनील अरोड़ा के अलावा अशोक लवासा और सुशील चंद्रा चुनाव आयुक्त हैं। आयोग की नियमावली के मुताबिक तीनों आयुक्तों के अधिकार क्षेत्र और शक्तियां बराबर हैं। किसी भी मुद्दे पर मतभेद होने पर बहुमत का फैसला ही मान्य होता है। फिर चाहे सीईसी ही अल्पमत में क्यों न हों। आयोग के कानूनी विभाग के अनुसार, फैसलों पर असहमति नहीं भी दर्ज की जा सकती है क्योंकि आचार संहिता उल्लंघन की सुनवाई अर्धन्यायिक सुनवाई का हिस्सा नहीं है जिस पर सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्त हस्ताक्षर करते हैं।

**मंगलवार को बैठक, लवासा का टिप्पणी से इन्कार :** इस मामले पर आयोग ने मंगलवार को बैठक बुलाई है। इस बारे में लवासा ने कहा, यह आयोग का अंदरूनी मामला है और वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते।

चुनाव आयुक्त अशोक लवासा

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा

### सीईसी बोले, क्लोन नहीं हो सकते तीनों आयुक्त

सीईसी सुनील अरोड़ा ने मामले को बढ़ता देख बयान जारी कर कहा कि आचार संहिता के मामलों में चुनाव आयोग की अंदरूनी गतिविधियों पर मीडिया में जो विवादित खबरें चल रही हैं उनको टाला जा सकता था। आयोग के तीनों सदस्य एक दूसरे के क्लोन नहीं हो सकते। इससे पहले भी कई मामलों में आपस में एक-दूसरे के नजरिये अलग-अलग रहे हैं और जहां तक हो सके ऐसा होना भी चाहिए, लेकिन इससे पहले सभी मतभेद आयोग के कार्यालय के अंदर ही रहे हैं। ये मतभेद काफी समय बाद तभी बाहर आए जब संबंधित पूर्व चुनाव आयुक्त या पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने उस संबंध में कोई किताब लिखी। उन्होंने बताया कि आयोग की 14 मई की बैठक में लोकसभा चुनाव के दौरान उठे मसलों पर विचार के लिए विभिन्न समूहों के गठन का सर्वसम्मत फैसला लिया गया था। 13 मसलों में आदर्श आचार संहिता भी एक मुद्दा है।

कांग्रेस की मांग, चुनाव आयुक्त लवासा के उठाए मुद्दों की हो जांच पेज>>03

## अलवर में फिर सामूहिक दुष्कर्म भीड़ ने एक आरोपित को मारा

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान के अलवर जिले के थानागाजी कांड की गूंज के बीच ही जिले में सामूहिक दुष्कर्म का नया मामला सामने आया है। हरसौरा थानाक्षेत्र में विवाह समारोह में शामिल होने आई नाबालिग से तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलने पर उत्तेजित ग्रामीणों ने आरोपितों में से एक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। हालांकि यह मामला 14 मई की रात का है, लेकिन पुलिस प्रशासन को शुक्रवार रात प्रकरण की जानकारी हुई। मृतक के परिजनों ने दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया है, वहीं लड़की के परिजनों ने सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, 14 मई की रात एक विवाह समारोह में पीड़िता और तीनों आरोपित शामिल होने पहुंचे थे। यहीं पर लड़की से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पीड़िता के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तीनों आरोपित भाग निकले। उत्तेजित ग्रामीणों ने पीछा कर एक को पकड़ लिया और पीट-पीट कर मार डाला। 15 मई की दोपहर बाद भूपसेड़ा गांव के जंगल में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त बघेरीखुर्द निवासी राहुल के रूप में हुई। इसके बाद मृतक के परिजनों ने कुछ लोगों को नामजद करते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं, दुष्कर्म पीड़िता के परिवार वालों ने मृतक समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है। बहरोड़ के डीएसपी रामजीलाल ने बताया कि पीड़िता का बोर्ड से मेडिकल करवाने के बाद 164 के बयान दर्ज करवाए गए है। बयानों की वीडियो रिकॉर्डिंग भी करवाई गई है। उन्होंने कहा, पुलिस ने युवक की हत्या और नाबालिग से हुए दुष्कर्म की घटना को जोड़ कर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।

### थानागाजी कांड : चार्जशीट पेश

जयपुर : राजस्थान पुलिस ने थानागाजी दुष्कर्म कांड में 10 दिन के भीतर ही जांच पूरी कर शनिवार को आरोपितों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी। मामले में सुनवाई 30 मई को होगी। इसके साथ ही सामूहिक दुष्कर्म का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। वहीं, राज्य सरकार ने दुष्कर्म पीड़िता को कांस्टेबल बनने का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीन दिन पहले पीड़िता को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। ज्ञात हो, दलित महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला 2 मई को दर्ज हुआ था। पुलिस ने 7 और 8 मई को सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था।

## कश्मीर में औरंगजेब के कातिल शौकत समेत चार आतंकी ढेर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- पुलवामा और सोपोर में हुई भीषण मुठभेड़, मारे गए शौकत पर था सात लाख का इनाम
- भारी मात्रा में हथियार बरामद, मुठभेड़ के दौरान हिंसा और पथराव

सुरक्षाबलों ने शनिवार को सैन्यकर्मी औरंगजेब की शहादत का बदला लेते हुए उसके हत्यारे हिजबुल कमांडर शौकत समेत चार आतंकियों को दो मुठभेड़ों में मार गिराया। सात लाख के इनामी शौकत और उसके दो साथी पुलवामा जिले के पंजगाम में मारे गए। यह महज संयोग ही है कि औरंगजेब की हत्या 2018 में रमजान माह के अंतिम दिन उस समय की थी जब वह पुंछ अपने घर ईद मनाने जा रहा था। वहीं, सोपोर के हथलंगू में वसीम अहमद नायक नामक आतंकी मारा गया। वह गत मार्च में घर से लापता हुआ था।

सुरक्षाबलों ने शनिवार तड़के करीब तीन बजे पुलवामा के पंजगाम में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर घेराबंदी की। जैसे ही जवान एक मकान के भीतर दाखिल होने लगे वहां छिपे आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद शुरू हुई मुठभेड़ में जवानों ने सुबह नौ बजे तक दो आतंकियों को मार गिराया। इस दौरान आतंकी ठिकाना बना मकान तबाह हो गया। करीब एक घंटे बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी शुरू की, तो जिंदा बचे एक आतंकी ने फिर गोली चला दी। इस पर जवानों ने उसे भी ढेर कर दिया। मारे गए आतंकियों की पहचान वादी में सितंबर 2016 से सक्रिय हिज्ब के जिला कमांडर शौकत डार निवासी पंजगाम, इरफान वार निवासी वड़ूरा पायीन सोपोर और मुजफ्फर शेख निवासी टहाब पुलवामा के रूप में हुई है। मौके से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुआ है। मुठभेड़ के बाद हिंसा पर उतरे शरारती तत्वों को काबू करने के लिए सुरक्षाबलों को बल प्रयोग करना पड़ा, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। प्रशासन ने पुलवामा-सोपोर के अलावा आसपास के क्षेत्रों में भी मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। बता दें कि घाटी में तीन दिन में 10 आतंकी मारे गए हैं।

## लोकसभा चुनाव की आखिरी बाजी आज निगाहें काशी पर

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकतंत्र का महापर्व अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है। लोकसभा चुनाव के लिए रविवार को सातवें और अंतिम चरण में आठ राज्यों की 59 सीटों पर मतदान होगा। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का क्षेत्र वाराणसी (काशी) भी शामिल है, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

आखिरी चरण में पंजाब और उत्तर प्रदेश की 13-13, बंगाल की नौ, बिहार और मध्य प्रदेश की आठ-आठ, हिमाचल की चार, झारखंड की तीन और चंडीगढ़ की इकलौती सीट पर मतदान होगा। इन सीटों पर कुल 918 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 10.01 करोड़ से ज्यादा मतदाता करेंगे। चुनाव आयोग ने सुचारू मतदान के लिए 1.12 लाख से ज्यादा पोलिंग बूथ तैयार किए हैं। लोकसभा की इन सीटों के अलावा गोवा में पणजी विधानसभा सीट और तमिलनाडु की चार विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव भी होगा। मतगणना 23 मई को होगी। (पेज-5)

## सियासी रणनीति

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू ने की पहल, विपक्षी नेताओं से कर रहे मुलाकात, राहुल, पवार, केजरीवाल के अलावा मायावती-अखिलेश से भी मिले

## नतीजों से पहले साझा विपक्षी मोर्चा बनाने की कसरत

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण के मतदान और नतीजों से पहले ही विपक्षी खेमे ने नई सरकार बनाने की संभावनाओं को लेकर साझा मोर्चा बनाने की कसरत शुरू कर दी है। यह कवायद बड़े दलों की ओर से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय दल तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) की ओर से की गई है। तेदेपा प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी समेत विपक्षी खेमे के कई नेताओं से भेंट कर सरकार बनाने की पहल पर चर्चा की। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से नायडू की मुलाकात विपक्षी गोलबंदी के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

विपक्षी पार्टियां चुनाव नतीजे आने से पहले ही सभी विकल्पों पर विचार-मंथन कर लेना चाहती हैं ताकि नतीजों के हिसाब से सियासी रणनीति तय करने में वक्त न लगे। इसीलिए चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार सुबह राहुल गांधी से मिलकर सरकार बनाने के विकल्पों से लेकर नेतृत्व जैसे जटिल मसलों पर कांग्रेस का रुख जाना। कांग्रेस ने शुक्रवार को ही साफ कर दिया था कि वह विपक्षी दलों के साथ मिलकर साझा प्रगतिशील गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने को तैयार है। कांग्रेस के रुख से साफ है कि पार्टी ने सरकार के नेतृत्व पर अपना दावा छोड़ा नहीं है। हालांकि भाजपा को रोकने के लिए सभी विपक्षी दलों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताकर उसने लचीला रवैया अपनाने की गुंजाइश का संदेश भी दिया। बाद में राहुल ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अन्य पार्टी नेताओं के साथ संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर भी विचार-विमर्श किया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को लखनऊ में बसपा सुप्रीमो मायावती से मुलाकात की। प्रेट्र

दरअसल, नायडू की पहल पर कांग्रेस का सकारात्मक रुख फेडरल फ्रंट के बहाने विपक्षी खेमे में सेंध की तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की कोशिशों को पंचर करने का दांव भी माना जा रहा है। राव भाजपा को रोकने के नाम पर कांग्रेस को तीसरे मोर्चे जैसी सरकार का समर्थन करने के लिए बाध्य करना चाहते हैं। टीआरएस नेता के दांव को नाकाम करने की कोशिश में चंद्रबाबू ने राकांपा नेता शरद पवार से भी चर्चा की, जो उन नेताओं में हैं जिनकी चुनाव बाद विपक्षी एकजुटता में अहम भूमिका मानी जा रही है। नायडू ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाकपा नेताओं सुधाकर रेड्डी व डी. राजा से भी भेंट की। वहीं, रेड्डी और राजा ने भी शरद पवार से मुलाकात की। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी से चंद्रबाबू शुक्रवार को मिल चुके थे। शनिवार शाम चंद्रबाबू सपा प्रमुख अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमो मायावती से मिलने लखनऊ पहुंचे। नायडू ने दोनों नेताओं से विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस के साथ आने का आग्रह किया और इसे समय की जरूरत बताया। वहीं, चुनाव परिणाम के आकलन और पार्टी की आगे की सियासी रणनीति पर चर्चा के लिए राहुल गांधी ने 22 मई को पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है।